सावन की ऋतू झूलों की बहार है भजन लिरिक्स

सावन की ऋतू,
झूलों की बहार है,
रिमझिम रिमझिम,
पड़ने लगी फुहार है,
सावन की ऋतु,
झूलों की बहार है।bd।

तर्ज – काली कमली वाला।

वृन्दावन की कुंजे सज गई,
बरसाने में पता ये चल गई,
बरसाने में पता ये चल गई,
नन्द गाँव से आए,
नन्द कुमार है,
रिमझिम रिमझिम,
पड़ने लगी फुहार है,
सावन की ऋतु,
झूलों की बहार है।bd।

राधा संग विशाखा आई,
संग में सखी सहेली आई,
संग में सखी सहेली आई,
करके आई ये,
सोलह श्रृंगार है,
रिमझिम रिमझिम,
पड़ने लगी फुहार है,
सावन की ऋतु,
झूलों की बहार है।bd।

वृक्ष कदम्ब पे झूला डारयो,
श्याम जू को लग्यो है प्यारो,
श्याम जू को लग्यो है प्यारो,
हौले झोटा देवे,
नन्द कुमार है,
रिमझिम रिमझिम,
पड़ने लगी फुहार है,
सावन की ऋतु,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

झूलों की बहार है।bd।

‘तनुज’ के मन को भावे सावन,
प्रेम सुधा सुखरस सा पावन,
प्रेम सुधा सुखरस सा पावन,
‘कृष्ण पल्लवी’ को भी,
इनसे प्यार है,
रिमझिम रिमझिम,
पड़ने लगी फुहार है,
सावन की ऋतु,
झूलों की बहार है।bd।

सावन की ऋतू,
झूलों की बहार है,
रिमझिम रिमझिम,
पड़ने लगी फुहार है,
सावन की ऋतु,
झूलों की बहार है।bd।

Singer – Krishna Pallavi Das

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com